Reg No. 22/2002-03 NAAC Accredited 'B' Grade College
RAVINDRANATH TAGORE P.G. COLLEGE
(Recognized Under Section 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act. 1956)
rntkapasan1@gmail.com www.rntgroup.edu.in
01476 - 230167,231726,230169, 9828058477

No. : RNTCK/ Date :

सादर प्रकाशनार्थ

कपासन 16 सितम्बर 2023 स्थानीय आर.एन.टी. महाविद्यालय कपासन में भूगोल विभाग, रोवर रेंजर एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस पर संगोष्ठी व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष रेवती रमन नागर ने बताया कि महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एस. एन. ए. जाफरी की अध्यक्षता में ''ओजोन परत का मानव जीवन एवं कृषि पर प्रभाव'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कृषि महाविद्यालय प्रो. एस. एल. मूंदडा ने ओजोन परत की बनावट, कृषि एवं पर्यावरण पर पडते ओजोन ह्रास के प्रभाव को बताते हुए कहा कि यद्यपि वर्तमान में सीएफसी गैसों की कमी के चलते ओजोन परत ने अपने आकार में वृद्धि की है जिसका सकारात्मक प्रभाव बना है परन्तु मानवीय आकांक्षाओं एवं विकास की होड ने इस ओजोन परत को काफी कमजोर किया है जिसका दुष्परिणाम जहां एक ओर प्रकृति में स्वतंत्र विचरण करने वाले पक्षियों की मृत्यु है वहीं जमीन पर रहने वाले पशु एवं मानवों में चर्म रोग की वृद्धि है। कृषि क्षेत्र भी इस विनाश से अछूता नहीं रहा है। ग्लोबल वार्मिंग जैसी दुर्घटनाएं इसी का परिणाम है। विभागाध्यक्ष नागर ने पीपीटी द्वारा प्रस्तुतिकरण में इस तथ्य को स्पष्ट करने का प्रयास किया कि विश्व पर्यावरण संगठन के प्रयास से 2065 तक ओजोन परत को हुई क्षति की पूर्ण पूर्ति कर उसे पुनः समृद्ध किया जाएगा ताकि पर्यावरण पर पडने वाले हानिकारक पराबैंगनी नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सके।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा ने बताया कि अंटार्कटिका महाद्वीप पर वर्तमान समय में ओजोन परत का सबसे अधिक नुकसान हो रहा है जो पूरे विश्व के लिए चिन्ता का विषय है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. जाफरी ने ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरण विषय पर बोलते हुऐ कहा कि वर्तमान में बढती कार्बनिक गैसो के बढने से प्राकृतिक असंतुलन बढा है। वहीं वैश्विक महामारी के दौरान प्राकृतिक संतुलन बनाने में बडी अहम भूमिका निभाई हैं।

बी.एड. प्राचार्य डॉ. अनिल गोठवाल ने बताया कि ओजोन परत के बारे में लोग आमतौर पर भले ही ज्यादा नहीं जानते हो लेकिन यह पृथ्वी व पर्यावरण के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। इस दौरान रोवर स्काउट एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने भी ओजोन परत के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस प्रभारी एच एल अहीर ने किया। संगोष्ठी से पूर्व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान जसवंत बहादुर ने प्राप्त किया जबकि द्वितीय स्थान पर निशा सिंह रही एवं तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से सुनील सिंह व कुंदन बंजारा रहे। कार्यक्रम की समाप्ति पर स्वयंसेवकों ने वर्ष में एक पेड लगाकर उसको बडा करने की प्रतिज्ञा ली।

प्राचार्य